

1/313

जय श्री गुरु नारायण । नमः ।
शं सर्वे विद्मः । नमः ।
५/५/२१

1513121

अधिकारक उमरका कृतिता कजल अकि
कृतिता काउर अकाल नरते प...
के काल है। अतः पत्रावली द्वारा...
५/५/२१

5421

पत्रावली वाक्ये कृत हेतु वेप। भाष्यकला
रेच्यो 1 व 2 वी ओर वी विना उडुना रानी
रे. सं. वी वरुण से जिल्ली मतजेन उडु अय्यि।
अयि. कपीलाठर को कृमयः तीन कर
मुकह, मच्छन व वाप भाषाज लखडि गडि
अय्यित नही। पुनः श्व ओर भाषाज लखडि
गडि, जिरली अय्यित नही। र्थ में अयि.
अपीलाठर से कहल हेतु परस्पर ठणसर
डिर जा हुरे डै। विग डिगां को वरुण
लखडि शे डिग अय्यित नही, ग ही उ नही
आं से अकाल अय्यित डै। ऐसी विधि में
अपीलां कपील अडम फेरपी में खाजि
ही जाली है। पत्रावली पैस उडुना वेग
उपल दजिल थी ७

4c पत्रा
अनो 5
598
28.06.21
डा. गज
गडि
७/५/२१